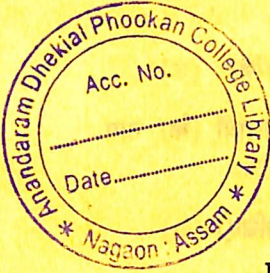


3 (Sem-3/CBCS) HIN-HC 2



2022

HINDI
(Honours)

Paper : HIN-HC-3026

(भारतीय काव्यशास्त्र)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks
for the questions*

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10
 - (क) “शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्”—काव्य-लक्षण के संदर्भ में यह कथन किस आचार्य का है?
 - (ख) काव्य-हेतु का आशय क्या है?
 - (ग) ‘काव्यप्रकाश’ नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?
 - (घ) करुण रस का स्थायी भाव क्या है?
 - (ङ) भरत मुनि के प्रसिद्ध रससूत्र का उल्लेख कीजिए।
 - (च) काव्य का प्राचीनतम लक्षण किस ग्रंथ में उपलब्ध है?
 - (छ) “तरनि तनूजा तमाल तरुवर बहु छाये”—इस काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

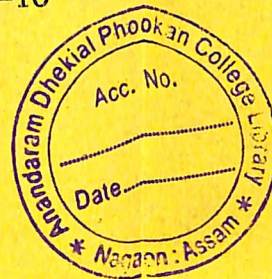
(2)

- (ज) 'ध्वनि सिद्धांत' के प्रवर्तक-आचार्य कौन हैं?
- (झ) अलंकार सिद्धांत के प्रमुख दो आचार्यों के नाम लिखिए।
- (ज) किसी एक शब्दालंकार का नामोल्लेख कीजिए।
- (ट) 'ध्वन्यालोक' किसके द्वारा लिखित ग्रंथ है?
- (ठ) गुणीभूत व्यंग्यकाव्य कितने प्रकार के होते हैं?
- (ड) "रीतिरात्मा काव्यस्य"—किस आचार्य ने ऐसा कहा है?
- (ढ) आचार्य क्षेमेन्द्र द्वारा लिखित औचित्य-संबंधी ग्रंथ का नाम लिखिए।
- (ण) 'औचित्य सिद्धांत' के प्रवर्तक कौन हैं?
- (त) 'रीति' शब्द का अर्थ क्या है?
- (थ) 'वक्रोक्ति सिद्धांत' के प्रतिष्ठापक आचार्य कौन हैं?
- (द) वक्रोक्ति तत्त्व का सर्वप्रथम शास्त्रीय विवेचन करने वाले आचार्य कौन हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

2×5=10

- (क) काव्य-हेतुओं के विवेचन का महत्त्व समझाइए।
- (ख) विभाव के दो प्रकारों का उल्लेख कीजिए।
- (ग) "वाक्यं रसात्मकं काव्यम्" का आशय स्पष्ट कीजिए।
- (घ) साधारणीकरण का तात्पर्य क्या है?



(3)

- (ड) कायिक अनुभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।
- (च) उपमा अलंकार के संदर्भ में उपमेय और उपमान किन्हीं कहते हैं?
- (छ) वक्रोक्ति को परिभाषित कीजिए।
- (ज) रूपक अलंकार का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
- (झ) आचार्य वामन ने 'रीति' के संबंध में क्या कहा है? स्पष्ट कीजिए।
- (ज) 'औचित्य' के संबंध में आचार्य क्षेमेन्द्र के विचारों का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :
5×4=20

- (क) काव्य-प्रयोजन के संदर्भ में भरत मुनि के विचारों को स्पष्ट कीजिए।
- (ख) काव्य-हेतु के रूप में 'व्युत्पत्ति' की समीक्षा कीजिए।
- (ग) स्थायी भावों की विशेषताएँ लिखिए।
- (घ) गुणीभूत व्यंग्यध्वनि का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
- (ड) उत्प्रेक्षा और उपमा अलंकार के अंतर को रेखांकित कीजिए।
- (च) उदाहरण और संघटना के साथ यमक अलंकार पर प्रकाश डालिए।
- (छ) रीति के तीनों भेदों का परिचय दीजिए।
- (ज) प्रबंध वक्रता क्या है? परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए : $10 \times 4 = 40$

- (क) आचार्य मम्मट द्वारा बताए गए काव्य-लक्षणों पर प्रकाश डालिए।
- (ख) काव्य-हेतुओं पर भारतीय आचार्यों के मतों का उल्लेख कीजिए।
- (ग) रस की परिभाषा देते हुए इसके स्वरूप पर विचार कीजिए।
- (घ) साधारणीकरण पर सम्यक् विवेचन प्रस्तुत कीजिए।
- (ङ) अलंकार की अवधारणा स्पष्ट करते हुए अनुप्रास, श्लेष और अतिशयोक्ति अलंकारों को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
- (च) 'ध्वनि' शब्द की व्युत्पत्ति और अर्थ को स्पष्ट करते हुए उसकी परिभाषा दीजिए।
- (छ) रीति सिद्धान्त का सामान्य परिचय दीजिए।
- (ज) 'औचित्य' का आशय स्पष्ट करते हुए इसके स्वरूप एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
- (झ) ध्वनि के भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
- (ञ) वक्रोक्ति के कुन्तक-निर्दिष्ट भेदों का वर्णन कीजिए।

